BSES YAMUNA BSES RAJDHANI
BSES Bhawan, Nehru Place, New Delhi – 110019

अब ईमेल पर भी दे सकेंगे बिजली चोरी की जानकारी

- दो ईमेल आईडी जारी- **theft.bypl@bsesdelhi.com** व **theft.brpl@bsesdelhi.com**
- डपभोक्ताओं की पहचान पूरी तरह से गुप्त रखी जाएगी
- हेल्पलाइन नंबर पर भी दे सकते हैं सूचना- **39999 888** और **39999777**
- दो साल में भेजे जा चुके हैं **125** लोग बिजली चोरी में जेल

नई दिल्ली, **15** फरवरी, **2007** । बिजली चोरी पर अंकुश लगाने के अपने अभियान को और गति देते हुए बीएसईएस ने बिजली चोरी की जानकारी देने के लिए दो ईमेल आईडी जारी की हैं, ताकि उपभोक्ता कंप्यूटर पर काम करते हुए भी बिजली चोरी की सूचना दे सकें। बीएसईएस का कहना है कि उपभोक्ताओं की पहचान पूरी तरह से गुप्त रखी जाएगी। जारी की गई ईमेल आईडी हैं- **theft.bypl@bsesdelhi.com** (बीएसईएस यमुना के लिए) और **theft.brpl@bsesdelhi.com** (बीएसईएस राजधानी के लिए) ।

बिजली चोरी की सूचना हमारे चौबीसों घंटे काम करने वाले हेल्पलाइन नंबरों- **39999 888** (बीएसईएस यमुना के लिए) और **39999 777** (बीवाईपीएल के लिए)। ये हेल्पलाइन नंबर खास तौर पर बिजली चोरी की जानकारी देने के इच्छुक उपभोक्ताओं के लिए शुरू किए गए हैं।

दरअसल, बिजली चोरी रोकने के लिए बीएसईएस हर संभव उपाय कर रही है। उपभोक्ताओं से जानकारी मांगने के अलावा, कंपनी के कर्मचारी भी इस काम में दिनरात लगे हुए हैं। ज्योग्राफिकल इंफॉर्मेशन सिस्टम का सहारा लिया जा रहा है। साथ ही, तमाम वितरण ट्रांसफॉर्मरों पर मीटर लगा दिए गए हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि किस मोहल्ले के किस भाग में सर्वाधिक बिजली चोरी हो रही है। कंपनी ने बिजली चोरी के खिलाफ अपना छापेमारी अभियान तेज कर दिया गया है। रात में भी यह अभियान चल रहा है।

दरअसल, दिल्ली एक विश्वस्तरीय और अत्याधुनिक शहर बनने की राह पर है, लेकिन बिजली चोरी इस शहर के लिए एक बड़ी चुनौती है। हालांकि पिछले चार सालों के दौरान बीएसईएस यमुना तकनीकी व व्यावसायिक घाटे में **20** प्रतिशत की कमी लाई है और बीएसईएस राजधानी इसमें **16.4** प्रतिशत की कमी लाने में सफल रही है, लेकिन अभी भी दिल्ली में यह घाटा **35** प्रतिशत के करीब है, जो कि एनसीआर के शहरों- नोएडा व फरीदाबाद से भी ज्यादा है। डालें नीचे के ग्राफिक्स पर एक नजरः

शहर	बिजली चोरी प्रतिशत	शहर	बिजली चोरी प्रति ात
दिल्ली	35	मुंबई	14
कोलकाता	16	बेंगलूर	12
नोएडा	12	फरीदाबाद	26

बिजली चोरी के मामलों को अब कानून गंभीरता से ले रहा है। तथाकथित बड़े व ताकतवर लोग भी अब बिजली चोरी के मामलों में सजा पा रहे हैं। हाल ही में एक बड़ी पार्टी के एक पूर्व विधायक को कोर्ट ने आड़े हाथों लिया है। पूर्व विधायक पर दिल्ली विद्युत बोर्ड की एन्फोर्समेंट टीम को आठ साल पहले छापेमारी के दौरान धमकाने का आरोप था।

इधर, जनवरी, **2005** से लेकर अब तक बीएसईएस ने स्पेशल कोर्ट्स में **3200** से अधिक केस फाइल किए हैं। खास बात यह है कि स्पेशल कोर्ट्स **125** लोगों को बिजली चोरी में जेल भी भेज चुके हैं। जुलाई **2002** से अब तक बीएसईएस ने **50** हजार से अधिक बिजली चोरी के मामले पकड़े हैं, **3.17** लाख किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ी है और **700** करोड़ रूपये से अधिक का जुर्माना भी किया है।

1/2

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस
39999870/ 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस
39999840/ 9350130304

2/2